serious consequances. In fact, we have warned all doctors to give penicillin only when they consider it absolutely necessary and not to resort to it often

Shri Goray: May I know where this penicillin was manufactured?

Shri Karmarkar: That was in Pimpri I learn that penicillin procaine is an antidote against bad effects of penicillin

Mr. Speaker: Shri M. L Dwivedi, absent Pandit D N Tiwary, Shri Shree Narayan Das, Shri Valvi, Shri Tangamani, all are absent I will take the next question.

Some Hon Members: No, no

दिल्ली दुग्ध वितरण योजना

+

श्री भक्त दर्शन
श्री म० ला० द्विवेदी :
पंडित द्वा० ना० तिवारी :
श्री श्रीनारायण दास
श्री वाल्वी .
श्री तंगामणि
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री पाणिग्रही :
श्री प्रकाश वीर शास्त्री
श्री नवल प्रभाकर :
*१५६ श्री बी० च० शर्मा :
श्री हेम राज :
श्री राम कृष्ण गुप्त :
श्री कोडियान :
डा० राम सुभग सिंह :
श्री हेम बरुआ :
श्रीमती इला पालचौधरी :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री वाजपेयी :
श्री उ० ल० पाटिल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री १० सितम्बर, १९५९ के अतारांकित प्रश्न संख्या २६२५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या दिल्ली में केन्द्रीय दुग्धशाला से दूध का वितरण आरम्भ हो गया है;

(ख) प्रति दिन कितना दूध नगर के किन-किन भागों में वितरित किया जाता है ,

(ग) अब तक दूध के कितने डिपो खोले जा चुके हैं ,

(घ) केन्द्रीय दुग्धशाला के खुलने से कितने दूध विक्रेताओं और दुग्धशाला चलाने वाली फर्मों का काम बन्द हो जायेगा ; और

(ङ) उन्हें कौन सा दूसरा काम देने का विचार है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा): (क) से (ङ) सभा की टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

विवरण

दिल्ली मिल्क स्कीम के अन्तर्गत दिल्ली मे दूध देने का काम १ नवम्बर, १९५९ से आरम्भ हुआ । लगभग ३२५ मन दूध प्रतिदिन सरकारी अस्पतालो तथा वेस्ट, साउथ और ईस्ट पटेलनगर, नया और पुराना गजेन्द्र नगर, गोल मार्केट क्षेत्र, नार्थ एवन्यू, मोतीबाग, डिप्लोमेटिक एन्कलेव, मेन और ईस्ट विनय नगर तथा लोधी कालोनी मे बाटा जाता है । सुबह के समय ३२ डिपो और शाम के समय ३० डिपो में काम चल रहा है ।

यह केन्द्रीय डेरी जो बनाई गई है, दिल्ली, यू० पी० और पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रो से लगभग ३० मिल्क कोलक्शन और चिलिंग सेन्टर्स के द्वारा दूध इकट्ठा करेगी, इनमें से १९ सेन्टर्स बन चुके हैं या बन रहे है । वर्तमान दूध बेचने वाले

अपना दूध शहर में बेचने के बजाय मिल्क कलेक्शन और चिलिंग सेन्टर्स को दे सकते हैं। दूध बेचने वाले जो शहर में पशु रखते हैं, अपने ढोरों के साथ उन कालोनियों में जायगें जो कि राजधानी शहर के चारों ओर स्थापित की जायेंगी। इन कालोनियों मे उत्पादित दूध भी दिल्ली मिल्क स्कीम को दिया जा सकता है। इसलिये कोई भी वास्तव में बिना काम नही रहेगा जिससे उसको कोई और काम के उपबन्ध की जरूरत पड़े।

श्री भक्त दर्शन : क्या माननीय मंत्री बता सकते हैं कि दिल्ली की पूरी जनसंख्या को पूरी मात्रा में शुद्ध दूध दिलाने में कब तक सफलता मिल सकेगी ?

श्री मो० वें० कृष्णप्पा : हमारा अनुमान है कि दिल्ली की जनसंख्या के लिये ७ हजार मन दूध रोज की आवश्यकता है। हमारी डेयरी स्कीम के प्लाट की कैपेसिटी भी ७,००० मन दूध रोज हैंडिल करने की है। दो साल के अन्दर हम सारे शहर को सप्लाई करने का इन्तजाम करने की आशा करते है।

श्री भक्त दर्शन : क्या यह सच है कि इस स्कीम के अन्तर्गत जितने वितरण केन्द्र खोले गये है उनमे केवल नवयुवती महिलाओ को विक्रेता नियुक्त किया गया है ? मैं जानना चाहता हू कि महिलाओ के द्वारा क्या दूध इसलिये बेचा जा रहा है कि उनके द्वारा बेचे जाने से वह ज्यादा स्वादिष्ट हो जाता है ?

Shri M. V. Krishnappa: 128 college girls have been appointed as sales women in these depots for traditional, cultural and economic reasons. Traditionally, the handling of milk in the house has been the ladies' job. Culturally, our experience in Bombay and Calcutta has been that wherever girls are working there are less complaints than when boys have been employed. Economically, these girls get some help. We pay them Rs. 50 and they work only for two hours in the morning or evening

डा० राम सुभग सिंह : इस डेयरी में अपने मवेशियो को रख कर क्या दूध तैयार करने की योजना है ? यदि नही, तो कब से इस प्रकार की योजना प्रारम्भ की जायगी ?

Shri M. V. Krishnappa: I have stated earlier that Delhi's requirements per day will be 6,000 to 7,000 maunds, and the capacity of this plant is 7,000 maunds per day We started the scheme on the Diwali day.

Dr. Ram Subhag Singh: My question is different Is there any scheme to have their own cattle in the dairy and thereby meet the milk requirements of the town or will they go on buying milk from the neighbouring villages, pasteurize it and supply it?

Shri M. V. Krishnappa: In fact, the Delhi milk supply scheme partly emerged out of the problem of plague spots and slums in Delhi Because, 30,000 cattle are kept in the heart of the city and so many places in Delhi have been developed into slums and plague spots The Prime Minister said that the slums should be removed as early as possible. When we asked those people to take away their cattle, we had to provide them accommodation in colonies Now we have four colonies

श्री प्रकाश वीर शास्त्री: मैं यह जानना चाहता हूं कि दूध वितरण योजना के केन्द्र केवल नई दिल्ली नगर में स्थापित किये गये है या पुरानी दिल्ली में भी कही स्थापित किये गये है ?

श्री मो० वें० कृष्णप्पा : सारी दिल्ली में, पुरानी और नई दिल्ली में स्थापित किये जायेंगें। लेकिन इसका इन्तजाम करने में समय लगेगा।

Shri Vajpayee: May I know whether any one of the four colonies that are to be constructed has been constructed so far and, if not, the time by which they will be constructed?

Shri M. V. Krishnappa: In fact, earlier we had selected a big plot for one colony and we almost acquired land But the residents of that area made a procession to Parliament and protested Then, we had to re examine the case and split it into four colonies That is the reason for the delay We have marked places for two colonies and very soon work will be taken up

श्री खुशवक्त राय . मैं यह जानना चाहता हूं कि दूध वितरण केन्द्रों में जो लड़कियां रखी गई हैं उनके आने जाने के लिये क्या किसी सवारी का प्रबन्ध है ?

Shri M. V Krishnappa: Generally they are appointed only from that area For example, in the North Avenue booths girls living in the vicinity are taken So, there is no need to have any transport arrangements for them

श्री खुशवक्त राय नार्थ एवेन्यू में जो लड़की नियुक्त की गई है वह गोल मार्केट की रहने वाली है और उसको सुबह पांच बजे आना होता है । उसके लिये सवारी की आवश्यकता है या नहीं ?

Shri M. V. Krishnappa: We will think of transferring her to Gole Market and of appointing a girl from North Avenue itself

Shri B. K. Gaikwad: It has been stated by the hon Minister that college girls have been appointed for the distribution of milk May I know as to how many girls from the Scheduled Castes and Scheduled Tribes have been appointed and, if not, whether qualified boys from the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can be appointed?

Shri M. V. Krishnappa: I do not know the details of these 128 girls and whether there are any Scheduled Caste girls among them. We must encourage Scheduled Caste girls especially in such jobs and I will see that if there are sufficient applications and if any one of them have been rejected, immediately they are appointed

Shri Tyagi: May I know if the milk that is supplied is fresh milk as it is after pasteurisation or it is what is known as toned milk, that is, some water is mixed in it or some proportion of butter is reduced? What is the process that this milk undergoes?

Shri M V. Krishnappa: There are three types of milk distributed in all our dairies in Bombay and Calcutta One is whole milk This milk is brought from outside and is then pasteurised, bottled and distributed as whole milk In Delhi we have priced it at nine annas per seer It is very popular We intend to distribute sterilised milk also We have a plant already installed for sterilised milk which could be kept for a year if one so wants and one can carry it with him wherever one wants It will be in air-tight bottles Then toned milk is milk mixed with skimmed milk butter (without any fat) and water

Generally doctors say that it is very good milk We have not yet distributed toned milk but we intend doing that It is very popular in Bombay and Calcutta

Shortage of Rails and Fish Plates

+

*160. Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta:
Shri R. C Majhi:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether there has been any shortage of rails and fish plates for implementing the Second Five Year Plan;